

रसा पुं. (देश.) शोरबा, (तरकारी आदि का) झोल, झोर स्त्री. (तत्.) भूमि, पृथ्वी, नदी, रसातल, जिह्वा, जीभ, जबान, रसना अंगूर, आम, लोहबान, शिलारस, काकोली, कँगनी, सलई, पाढा, मेदा।

रसाई वि. (फा.) पहुँचने वाला, ऊँचा या दूर जाने वाला स्त्री. (फा.) पहुँच, दाखिला, पहुँचने की क्रिया या भाव, प्रवेश।

रसखोर वि. (तत्.+फा.) रस-लोलुप, रस पीने वाला, रस का लोभी, भ्रमर।

रसाज्ञान पुं. (तत्.) स्वाद अथवा रस का पता न होना, रस का अनुभव न करना, चखने पर भी खटास या मिठास आदि का पता न चल पाना।

रसातल पुं. (तत्.) पृथ्वी के नीचे के सात लोकों में से छठा।

रसात्मक वि. (तत्.) रसयुक्त, सुंदर, सरस, रसीला, आनंदप्रद, सुंदर, मनोहर।

रसाधार पुं. (तत्.) 1. रस का आधार 2. सूर्य, रवि।

रसाना अ.क्रि. (देश.) 1. पृथक होना, अलगाना, विमुख होना 2. आनंद लूटना, आनंदित होना, द्रवित होना स.क्रि. 1. आनंदित करना, रस से पूर्ण या रस से युक्त करना, प्रसन्न करना 2. किसी पदार्थ को रस में प्रवृत्त करना।

रसापति पुं. (तत्.) पृथ्वीपति, राजा, नृप।

रसापायी वि. (तत्.) जीभ से पानी पीने वाला पुं. कुत्ता।

रसाभास पुं. (तत्.) काव्य. किसी रस का अनुचित प्रकरण या स्थान पर वर्णन, एक अर्थालंकार, रस के स्थान पर रस के आभास की प्रतीति।

रसाम्ल पुं. (तत्.) अमलबेत, वृक्षाम्ल, विषांबिल, एक खटाई, चूक।

रसायन पुं. (तत्.) 1. वैद्यक के अनुसार ऐसी दवा जिसके खाने से आदमी बुढ़ा या बीमार न हो 2. पदार्थों का तत्त्वगत ज्ञान 3. ताँबे से सोना बनाने का कल्पित योग 4. धातुओं को भस्म

करने की, एक धातु को दूसरी धातु में परिवर्तित करने की विद्या, तक्र, मठा, विष, कटि, कमर, बायबिडंग, गरुड़।

रसायनज्ञ वि. (तत्.) रसायन विद्या का जानने वाला, रसायन विज्ञान वेत्ता, रसायन शास्त्र का ज्ञाता, रसायन शास्त्री।

रसायन चिकित्सा स्त्री. (तत्.) रासायनिक पदार्थों से चिकित्सा, रसायनोपचार। chemotherapy

रसायन-विज्ञान पुं. (तत्.) पदार्थों में मिलने वाले तत्वों का विवेचन करने वाला और तत्त्वगत परमाणुओं में परिवर्तित होने पर पदार्थों की नई स्थिति का निरूपण करने वाला विज्ञान, इसमें पदार्थों के संघटन, गुण-धर्म, बनाने की विधि, उपयोग, परीक्षण और उनकी परस्पर अभिक्रियाओं का अध्ययन होता है।

रसायन शास्त्र पुं. (तत्.) दे. रसायन-विज्ञान।

रसायनी पुं. (देश.) कीमियागर, रसायनज्ञ, बुढ़ापे को दूर करने वाली औषधि स्त्री. (तत्.) औषधि, अमृत संजीवनी, गुडुच, महाकरंज, मकोय, मजीठ, मांसरोहिणी, कंदगिलोय, कनफोड़ा लता, शंख पुष्पी, नाड़ी नामक साग।

रसाल वि. (तत्.) 1. रसीला, मीठा, रसपूर्ण, रस से भरा हुआ, मधुर, स्वादिष्ट, सुंदर, शुद्ध मार्जित पुं. तत्. 1. आम, कटहल, ईख, गेहूँ. लोबान, अमलबेत, कुंदुर तृण, बोल नामक गंध द्रव्य काव्य. एक छंद विशेष।

रसालय पुं. (तत्.) रसशाला, रसनिर्माण का स्थान, आमोद-प्रमोद का स्थान, आम का पेड़, आम्रवृक्ष।

रसालस पुं. (तत्.) 1. कौतुक, अद्भुत बात, कुतूहल, आश्चर्य, अचंभा 2. विनोद, दिल्लगी, खेल-तमाशा, केवल मनोविनोद के लिए किया जाने वाला काम।

रसाला स्त्री. (तत्.) 1. श्रीखंड, सिखरन 2. दही, घी, मिर्च, शहद आदि के योग से बनने वाली चटनी 3. दही में साना गया सत्तू, पौंढा 4. अंगूर, दाख 5. दूर्वा, दूव 6. बिदारीकंद।

रसालाम पुं. (तत्.) उत्तम आम, कलमी आम।